शोध सारांश

संलग्न विद्यालयी शिक्षा में विद्यार्थियों को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सम्मिलित करने के लिए संलग्न करने की आवश्यकता है | संलग्नता के तीन पक्ष है, जिसमे प्रथम व्यावहारिक संलग्नता, द्वितीय सांवेगिक संलग्नता और तृतीय संज्ञानात्मक संलग्नता है | व्यावहारिक संलग्नता में विद्यार्थियों की कार्य तत्परता, ध्यान, आचरण, प्रयत्न, सहभागिता इत्यादी सम्मिलित है, सांवेगिक संलग्नता में विद्यार्थियों की उत्साह, ख़ुशी, जीवन क्षमता, क्रोध, रूचि इत्यादी सम्मिलित है और संज्ञानात्मक संलग्नता में विद्यार्थियों की समय निवेशा, कार्य की वचनबद्धता, स्वतंत्र कार्य शैली, समस्या समाधान में लचीलापन इत्यादी सम्मिलित है | विद्यार्थियों को समस्या के समाधान के लिए अभिप्रेरणा की आवश्यकता होती है, अभिप्रेरणा प्रदान करने का कार्य अध्यापक बखूभी निभा रहे है | विद्यालय एवं अध्यापक दोनों मिलकर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करने की पूरी कोशिश कर रहे है |

विद्यालय में विद्यार्थियों के संलग्न भागीदारी के व्यावहारिक पक्ष का विकास सांवेगिक पक्ष की तुलना में कम है और सांवेगिक पक्ष का विकास संज्ञानात्मक पक्ष की तुलना में कम है इस प्रकार विद्यार्थियों का विद्यालय में सबसे कम व्यावहारिक पक्ष का विकास हो रहा है उसके बाद सांवेगिक पक्ष का विकास थोड़ा अधिक हो रहा है सबसे अधिक संज्ञानात्मक पक्ष का विकास हो रहा है इससे यह पता चलता है कि विद्यालय विद्यार्थियों के तीनों पक्षों पर ध्यान तो दे रही है लेकिन एक पक्ष दूसरे पक्ष से थोड़ा अधिक हो जा रहा है | संलग्न विद्यालयी शिक्षा में बालक एवं बालिकाओं के मध्य अधिगम और अभिप्रेरणा में भी थोड़ा अन्तर है | बालकों के सीखने पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है जबकि बालिकाओं को सीखने के लिए अधिक अवसर की आवश्यकता विद्यालय एवं समाज दोनों को मिलकर देना चाहिए | विद्यालय में विद्यार्थियों के संलग्न भागीदारी को बढाने के लिए अध्यापक भी नए-नए शिक्षण तकनीकी खोज करके विद्यार्थियों को संलग्न करने का प्रयास करते हैं| अध्यापक विद्यार्थियों की व्यावहारिक, सांवेगिक और संज्ञानात्मक संलग्नता को बढ़ाने के साथ- साथ अभिप्रेरित भी करते रहते हैं कि अपने लक्ष्य को किस प्रकार पाया जा सकता है| अध्यापक विद्यार्थियों को संलग्न करने के लिए नए- नए प्रयोग करते रहते हैं, विद्यार्थियों की भावनाओं को समझ कर ही शिक्षण कार्य करते है|

समस्या कथन

“माध्यमिक विद्यालयों की संलग्न विद्यालयी शिक्षा- एक अध्ययन”

शोध उद्देश्य

1. विद्यालयों में विद्यार्थियों की संलग्न भागीदारी का व्यावहारिक, सांवेगिक एवं संज्ञानात्मक स्तरों के सापेक्ष विश्लेषण करना।

2. संलग्न विद्यालयी शिक्षा के सापेक्ष बालक एवं बालिकाओं के मध्य अधिगम का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3. संलग्न विद्यालयी शिक्षा के सापेक्ष विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा स्तर का विश्लेषण करना।

4. संलग्न विद्यालयी शिक्षा के सापेक्ष शिक्षकों के विभिन्न आयामों का अध्ययन करना|

परिकल्पना

HO_1: संलग्न विद्यालयी शिक्षा के सापेक्ष बालक एवं बालिकाओं के मध्यमान में कोई अन्तर नहीं हैं।

शोध का परिसीमन

प्रस्तुत शोध महाराष्ट्र के वर्धा जनपद के एक विद्यालय (अग्रगामी पब्लिक स्कूल) के कक्षा 9 के विद्यार्थी एवं कक्षा 9 के अध्यापकों तक सीमित रहेगा|

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध शैक्षिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि का है| अतः प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा मिश्रित शोध विधि (गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों पद्धति) के अन्तर्गत वर्णनात्मक सर्वे प्रविधि का प्रयोग किया गया है|

प्रतिदर्श और प्रतिदर्शन विधि

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा वर्धा जिले में स्थित विभिन्न विद्यालयों (10 विद्यालयों) का निरीक्षण करने के उपरान्त असम्भाव्य प्रतिदर्शन पद्धति से 'अग्रगामी पब्लिक स्कूल' की शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रियायों को ध्यान में रखते हुए संलग्न विद्यालय के रूप में चयन किया गया है| विद्यालय के चयन के उपरान्त उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन पद्धति से विद्यालय में पढ़ने वाले कक्षा 9 के विद्यार्थियों का चयन प्रतिदर्श के रूप में किया गया, जो इस प्रकार है:

शोध में प्रयुक्त उपकरण

शोधार्थी ने प्रतिदर्श के रूप में संलग्न विद्यालयी शिक्षा से सम्बन्धित प्रत्यक्षण ज्ञात करने के लिए स्वनिर्मित पाँच बिंदु प्रत्यक्षण मापनी प्रश्नावली, प्रश्नों के लिखित उत्तर के लिए एवं साक्षात्कार के लिए प्रश्नों का निर्माण किया गया| प्रश्नों के तीन सेट बनाये गये| प्रथम एवं द्वितीय सेट विद्यार्थियों के लिए है तथा तृतीय सेट अध्यापको के लिए है| प्रथम सेट में 32 प्रश्न है जो पाँच बिंदु प्रत्यक्षण मापनी के है | द्वितीय सेट में 6 प्रश्न है जो लिखित जवाब के लिए है एवं तीसरे सेट में 10 प्रश्न साक्षात्कार के है जो अध्यापको के लिए है |

अध्ययन के मुख्य परिणाम

1. संलग्न विद्यालयी शिक्षा में बालकों के व्यावहारिक, सांवेगिक एवं संज्ञानात्मक संलग्नता बालिकाओं के व्यावहारिक, सांवेगिक एवं संज्ञानात्मक संलग्नता से अधिक हैं क्योकि बालकों के अभिभावक अधिक ध्यान दे रहे हैं| बालक बालिकाओं की तुलना में सीखने के प्रति अधिक संलग्न हैं|

2. संलग्न विद्यालयी शिक्षा में बालक और बालिकाओं के अधिगम में सार्थक अन्तर हैं| क्योकि बालक किसी भी समस्या पर अपने अभिभावकों एवं सहपाठियों से मदद ले लेते हैं जबकि बालिकायें मदद लेने में हिचकिचाती हैं|

3. बालक एवं बालिकाओं के अभिप्रेरणा स्तर में अन्तर इसलिए है क्योकि अभिभावक हमेशा सुरक्षा की दृष्टि से बालिकाओं को अध्यापक, बैंक की नौकरी ही करने देते हैं अन्यथा नौकरी नहीं करने देते जबकि बालकों को स्वयं अपना करियर निर्धारित करने का अवसर

दिया जाता है| अभिभावक और विद्यालय दोनों बालिकाओं को प्रेरित करने में सफल नही हो पा रहे हैं|

4. संलग्न विद्यालयी शिक्षा में अध्यापिकायें विद्यार्थियों की व्यावहारिक, सांवेगिक और संज्ञानात्मक संलग्नता को बढ़ाने के साथ- साथ अभिप्रेरित भी करते रहते हैं| अध्यापिकायें विद्यार्थियों को संलग्न करने के लिए नए- नए प्रयोग करते रहते हैं, विद्यार्थियों की भावनाओं को समझ कर ही शिक्षण कार्य करते है| सभी अध्यापिकायें अपनी कक्षाओं में संलग्न करने के लिए लगभग एक जैसे कार्य करते हैं वे विद्यार्थियों को संलग्न करने के लिए पाठ्य आधारित प्रश्न पूछना, सेमिनार का आयोजन करवाकर, अभिनय करवाकर, वाद-विवाद प्रतियोगिता करवाकर, समूह परिचर्चा करवाकर|

Research summary

There is a need to be engaged the students into the teaching-learning process in the engaged school education. There are three aspect of engagement, in which first is behavioural engagement, second is emotional engagement, and third one is cognitive engagement. In the behavioural engagement, the students involves in work readiness, attention, behaviour, effort etc. In the emotional engagement, the students involves in enthusiasm, happiness, life potential, anger etc. In the cognitive engagement, the students involves in time input, commitment to work, independent work style, flexibility in problem solving etc. Students are required motivation to solve the problem; teachers are playing a vital role to giving motivation. Together with schools and teachers are doing the best for the all-round development of students.

In the school, the development of behavioural aspect of engaged participation of students are less in comparison of emotional aspects and the development of emotional aspects is less in comparison of cognitive aspect, thus in the school, the development of behavioural aspects of the students are very less, then the development of emotional aspects are little more, and the development of the cognitive aspect is the highest, this shows that the school is paying attention to three aspects of the students engagement but the one side is going to be little more than the other side. In the engaged school education, there is also a little difference in learning and motivation between boys and girls. More focus on boy's learning, while both the schools and society should jointly need to provide more opportunities for girl’s education. To increase the engaged participation of pupils in schools, teachers are also discovers the new innovative teaching technology and try to engage

students. Teachers increases the behavioural, emotional and cognitive engagement of the students, as well as give motivation that how to achieve the goal. The teachers are usually doing new experiments for engaging the students, doing teaching work, after understand the feelings of the students.

Objective

1. To analyse the emotional, cognitive and engaged participatory behaviour of students in the school.
2. To study of learning boys and girls in engaged school.
3. To analyse the motivational level of students in the school.
4. To study multi dimension of teacher in engaged school.

Hypotheses

1. There is no significant difference between mean score of engage schooling of boys.

Research Methodology

This research pertains to educational and social background. The nature of this research is qualitative and quantitative.

Tools

Self made tool of engaged schooling are used is this research.

Research Finding

1. Behaviour, emotional and cognitive engaging of boys is higher than girls. Boys are more engage to learning as compared to girls.
2. There is significant difference between engage schooling of boys and girls. Because boys manage to get help of peer groups and parents while girls hesitate to get help.
3. The difference between motivation level of girls and boys because parents allow to girls to take job of teachers, bank and no other jobs owing to the security concern, whereas boys are given the opportunity o f deciding their career.
4. Teachers motivate the students to increase behavioural emotional, cognitive engage in school education. They conduct new experiment to students participate and do educational activities. Almost all teachers do similar kind of work to increase attachment of the students, such as asking questions base on text organising play and holding competition.

Delimitation of study.

This research is delimited to the students and teachers of class 9th to Wardha district of Maharashtra.